भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1730
दिनांक 02.07.2019

आई.सी.ए.आर. द्वारा फसलों की नई किस्में:

1730. श्री सुधाकर तुकाराम श्रंगरे:

क्या कृषि और किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या आई.सी.ए.आर. ने गत तीन वर्षों के दौरान विभिन्न फसलों की कतिपय नई किस्में विकसित और जारी की हैं;

(ख) यदि हां, तो वर्ष-वार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार/आई.सी.ए.आर. द्वारा फसल उत्पादन में वृद्धि, उनके पोषण स्तरों में वृद्धि तथा जलवायु अनुकूल फसलों की किस्में विकसित करने तथा कृषि क्षेत्र में युवाओं को आकर्षित करने के लिए क्या कदम उठाये गए हैं?

उत्तर

कृषि और किसान कल्याण मंत्री
(सिंह तोमरश्री नरेन्द्र)

(क) से :(ग) जी, हां। विगत तीन वर्षों)2016-2018 (के दौरान भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने अपने संस्थानों, अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाओं एवं राज्य (एआईसीआरपी) म सेविद्यालयों के माध्यकृषि विश्व, निम्नलिखित ब्यौरे के अनुसार विभिन्न फसलों की 886 अधिक उपज देने वाली, पर्यावरणअनुकूल-, उन्नत गुणवत्ता की, कृषि जलवायु क्षेत्र विशिष्ट- विकसित की हैं और उन्हेंप्रक्षेत्र फसल किस्में जारी किया है :-

फसलें	वर्ष की संख्यावार किस्मों-			
	2016	2017	2018	कुल
अनाज	152	116	200	468
तिलहन	50	28	49	127
दलहन	43	32	47	122
रेशा फसलें	33	15	29	77
चारा फसलें	20	8	28	56
गन्ना	9	8	18	35
अन्य	0	0	1	01
कुल	**307**	**207**	**372**	**886**

जैव 35 फसलों की के प्रजनन हेतु प्रयास किए गए जिसमें विभिन्नप्रबलित किस्मों- अर्थातप्रबलित किस्मों-जैव, गेहूं)11(, चावल)6(, मक्का)4(, बाजरा)5(, मसूर)2(, सरसों)2(, सोयाबीन)1) एवं बागवानी फसलें (4थ जारी किया गया के साको अधिक पौषणिक गुणवत्ता (है। इसके अतिरिक्त, विगत संकरो/किस्मों 886 वर्षों के दौरान विकसित की गई इन 3ं में से संकर/किस्में 736 जलवायु अनुकूल हैं जिनमें अजैव प्रतिबलों का सामना करने की क्षमता कहीं अधिक है।

फसलों की उपज को बढ़ानेे की कुंजी, अधिक उपज देने वाली किस्मों के अच्छी गुणवत्ता वाले बीजों की उपलब्धता है। भाकृअप, सभी जारी की गई एवं अधिसूचित किस्मों के प्रजनक बीज का उत्पादन करने के लिए अधिदेशित है कृषि), सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग से प्राप्त मांगजिसे बदले में (पत्रों के अनुसार-, किसानों की उपलब्धता हेतु विभिन्न एजेंसियों द्वारा प्रगुणन के माध्यम से बीज की अन्य श्रेणियों अर्थात, स्थापना एवं प्रमाणित बीज में परिवर्तित किया जाता है।

2018 वर्ष-के दौरान 19, 'कृषि में युवाओं को आकर्षित करना एवं बनाए रखना' कार्यक्रम के तहत (एआरवाईए), 220 प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से उद्यम संबंधी गतिविधियों में 3474ग्रामीण युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण उपलब्ध कराया गया है। इस प्रशिक्षण के परिणामस्वरूप, 2497 ग्रामीण युवाओं ने एआरवाईए उद्यमों को अपनाया और वे ग्रामीण स्तर पर पना द्वारा एक टिकाऊ ढंग से उद्यम उद्यम इकाइयों की स्था-सूक्ष्म 1022 संबंधी गतिविधियां चलाा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, युवाओं सहित 13.42 लाख किसानों को, आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकियों के संबंध में उनके ज्ञान एवं कौशल को अद्यतन बनाने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। भाकृअप संस्थानों में स्थापित कृषि वसायव्य-इनक्यूवेशन केन्द्र, संस्थानराष्/क्षेत्रीय/ट्रीय स्तर पर विभिन्न कृषि व्यवसाय से संबंधित कार्यक्रमों द्वारा उद्यमियों को उनकी कृषि कताओं के लिए सहायता कर रहे हैं।वसाय संबंधी तकनीकी आवश्यव्य-

****